प्रेस विज्ञप्ति - 19 जुलाई 2016

अन्वेषण पोत सिंधु साधना से बीच समुद्र में भारतीय तटरक्षक द्वारा रोगी की निकासी

भारतीय तटरक्षक पोत वरद ने चेन्नई तट से 290 नाटिकल मील की दूरी पर स्थित राष्ट्रीय समुद्री संस्थान गोवा की अन्वेषण पोत सिंधु साधना से चिकित्सीय निकासी की तथा 19 जुलाई 16 को 0900 बजे रोगी को स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया ।

तटरक्षक एमआरसीसी (चेन्नई) को राष्ट्रीय समुद्री संस्थान की अन्वेषण पोत सिंधु साधना से संकट की सूचना प्राप्त हुई कि मि. राजीव कुमार, आयु-31 वर्ष के पेट के निचले हिस्से में भयानक दर्द हो रहा है । चेन्नई से 550 नाटिकल मील की दूरी पर भारतीय अन्वेषण पोत समुद्री विषय पर अन्वेषण कर रही थी । सूचना प्राप्त होने पर तटरक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय ने चिकित्सीय निकासी के लिए भारतीय तटरक्षक पोत वरद को चिकित्सा टीम के साथ रवाना किया ।

18 जुलाई 16 को लगभग 1000 बजे भारतीय तटरक्षक अपतटीय पोत वरद ने बीच समुद्र में स्थित एनआईओ पोत से चिकित्सीय निकासी की । तथा रोगी को 0900 बजे सुरक्षित चेन्नई पहुँचाया । तटरक्षक चिकित्सा दल ने रास्ते में रोगी की

देखभाल की । जांच करने पर पता चला कि रोगी हार्निया से पीडित था तथा उसके आंतो में संक्रमण था ।

चेन्नई पहुँचने पर राष्ट्रीय समुद्री संस्थान ने रोगी को आगे की चिकित्सीय उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया । कमांडेंट अनवर खान की कमान में भारतीय तटरक्षक अपतटीय पोत वरद ने तटरक्षक के घोषणा पत्र में उद्धृत कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए अत्यंत ही खराब मौसम में चिकित्सीय निकासी के अभियान को अंजाम दिया ।